

**निकाय** पुं. (तत्.) समूह, झुंड, एक ही मेल की वस्तुओं का झुंड, राशि 2. निलय, घर 3. परमात्मा 4. शरीर 5. लक्ष्य 6. वायु, पवन।

**निकाय्य** पुं. (तत्.) आवास, निवास।

**निकार** पुं. (तत्.) 1. पराभव, हार 2. अपकार, अपमान, तिरस्कार 3. वध करना, मारण 4. विरोध 5. निकालने का काम, निष्कासन 6. निकलने का द्वार, निकास।

**निकारण** पुं. (तत्.) मारण, वध।

**निकाल** पुं. (तत्.) 1. निकास 2. तोड़ 3. कुश्ती का एक पेंच।

**निकाला** पुं. (तत्.) निकालने का काम 2. किसी स्थान से निकाले जाने का दंड, बहिष्कार।

**निकाश** पुं. (तत्.) 1. जहाँ तक दृष्टि जाती हो वह स्थान, क्षितिज 2. प्रकाश 3. एकांत 4. सामीप्य, समीपता 5. सादृश्य।

**निकाष** पुं. (तत्.) खुरचना, रगड़ना, घिसना, मलना।

**निकास** पुं. (तत्.) 1. निकलने की क्रिया या भाव 2. निकालने की क्रिया या भाव 3. वह स्थान जिससे होकर कुछ निकले 4. द्वार 5. बाहर का खुला स्थान, मैदान 6. वंश का मूल 7. निर्वाह का ढंग 8. आय।

**निकासपत्र** पुं. (तत्.) वह कागज जिसमें जमाखर्च और बचत का हिसाब समझाया गया हो, रवन्ना।

**निकासी** स्त्री. (तत्.) 1. निकलने की क्रिया या भाव 2. किसी स्थान से बाहर जाने का काम, प्रस्थान 3. मालगुजारी आदि देने के बाद जो जमींदार को बचे, मुनाफा, प्राप्ति 4. आय, लाभ 5. बिक्री के लिए माल की रवानगी, लदाई 6. बिक्री, खपत 7. चुंगी।

**निकाह** पुं. (अर.) मुसलमानी पद्धति के द्वारा किया हुआ विवाह।

**निकियाना** स.क्रि. (देश.) नोच कर धज्जी-धज्जी अलग करना, चमड़े पर से पंख या बाल नोच कर अलग करना।

**निकुंच** पुं. (तत्.) चाबी, कुंजी, ताली।

**निकुंचक** पुं. (तत्.) एक परिमाण या तोल जो आधी अंजलि के बराबर और किसी के मत से आठ तोले के बराबर होती है, जलबैत।

**निकुंचन** पुं. (तत्.) संकुचन, संकोच।

**निकुंचित** वि. (तत्.) संकुचित।

**निकुंज** वि. (तत्.) लतागृह, ऐसा स्थान जो घने वृक्षों, घनी लताओं आदि से घिरा हो, लताओं से आच्छादित मंडप।

**निकुंजिकामा** स्त्री. (तत्.) दे. निकुंजिकाम्ला।

**निकुंजिकाम्ला** स्त्री. (तत्.) कुंज के वृक्ष का एक भेद, कुंचिका, कुंजिका।

**निकुंभ** पुं. (तत्.) 1. कुंभकर्ण का एक पुत्र, जिसे हनुमान ने मारा था यह रावण का मंत्री था 2. प्रहलाद के एक पुत्र का नाम 3. जमालगोटा 4. दंती वृक्ष 5. शिव का गण।

**निकुंभाख्यबीज** पुं. (तत्.) जमालगोटा।

**निकुंभिला** स्त्री. (तत्.) लंका के पश्चिम में एक गुफा 2. अर्चन पूजन का स्थान 2. उस गुफा की देवी जिसके सामने यज्ञ आदि पूजन करके मेघनाद युद्ध की यात्रा करता था।

**निकुंभी** पुं. (तत्.) 1. दंती वृक्ष 2. कुंभकर्ण की कन्या।

**निकुट्टी** स्त्री. (देश.) एक चिड़िया।

**निकुलीनिका** स्त्री. (तत्.) 1. वंशक्रमानुगत कला 2. वह कला जो जाति विशेष में ही प्राप्त हो।

**निकूल** पुं. (तत्.) वह देवता जिसके निमित्त नरमेध यज्ञ और अश्वमेध यज्ञ में छठे यूप में पशुहवन होता था।

**निकृत प्रज्ञ** वि. (तत्.) बदमाश, दुष्ट, बुरा सोचने वाला।

**निकृत** वि. (तत्.) मूल से छिन्न, जड़ से कटा हुआ, खंडित 2. विदारित।